

कामकाजी महिलाओं की सामाजिक व आर्थिक स्थिति एक अध्ययन

डॉ. शाहेदा सिद्दिकी

प्राध्यापक

समाजशास्त्र विभाग

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा (म.प्र.)

आशरीन बानो

शोधार्थी

समाजशास्त्र विभाग

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा (म.प्र.)

सारांश

कामकाजी महिलाओं की सामाजिक व आर्थिक स्थिति का विश्लेषण किया गया है। वर्तमान महिला घरेलू छवि को तोड़कर कामकाजी महिला के रूप में पुरुषों के समकक्ष प्रतिस्थापित हो रही है। विभिन्न योजनाओं के तहत किये गये सरकारी प्रयासों ने उसकी सशक्तता में सहायता दी है। प्रस्तुत शोधकार्य का उद्देश्य विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं के तहत किये गये सरकारी प्रावधानों का अध्ययन करना तथा कामकाजी महिलाओं की सामाजिक व आर्थिक स्थिति का विश्लेषण करना है। इसके लिए विभिन्न द्वितीयक स्रोतों द्वारा सामग्री का संकलन कर उनका विश्लेषण किया गया है। अध्ययन में पाया गया कि स्वतंत्रता के पश्चात् किये गये विविध सरकारी प्रयासों के फलस्वरूप महिलाओं की स्थिति में सुधार हुआ है। परिवार की सामाजिक व आर्थिक सशक्तता का माध्यम बनकर वे स्वयं भी व्यक्तिगत रूप से सशक्त हुई हैं। परम्परा से आधुनिकता की ओर संक्रमण के इस दौर में आपसी तालमेल के कुछ मानक पुरुष व महिला को मिलकर निर्धारित करने होंगे, तभी महिलाओं की आर्थिक व सामाजिक सशक्तता सार्थक होगी।